नामांक Roll No.

No. of Questions – 3
No. of Printed Pages – 6

SS-34-DL-T.W. (Hindi)

हिन्दी टंकण लिपि (TYPEWRITING HINDI)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2021

समय : 1 घण्टा

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) प्रत्येक कागज के एक तरफ टंकण करें ।

OFFICE COPY

(3) प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से आरम्भ करना है ।

(4) प्रत्येक लाइन के बीच में द्विगुणित अवकाश (Double Spacing) देकर टंकण करना है ।

(5) प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक सजावट के निर्धारित है ।

1. निम्न अवतरण को टंकित कीजिए :

अंक : 18

सजावट : 02

कुल : 20

सब का मन एक

हमारे जीवन का आधार मन है । मन है तो इच्छा है । इच्छा है तो गतिविधि है । लक्ष्य है । कार्यकलाप हैं । इच्छाएँ मन में पैदा होती हैं । मन हर इच्छा के साथ नया पैदा होता है । इच्छा पूर्ण होते ही मन मर भी जाता है । इच्छा कैसे पैदा होती है, कोई नहीं जानता । इच्छा पैदा भी नहीं की जा सकती । उठी हुई इच्छा को पूरा किया जा सकता है अथवा दबाया जा सकता है । हमारे शास्त्रों में इच्छा को दबाने का निषेध है । उस इच्छा को अन्य भावों में परिवर्तित करने की ही सलाह दी गई है, क्योंकि दबी हुई इच्छा कब किस रूप में फूट पड़े, कहाँ नहीं जा सकता । इच्छा का मुख्य आधार पूर्व कर्म होते हैं, जिनको भोगने के लिए जन्म होता है ।

मन बड़ा विचित्र है । यह करता कुछ है, रमता कहीं और है । मन को जानना, समझना और नियंत्रण में रखना बड़ा कठिन है । यह मन बड़ा चंचल है । किसी एक विषय पर टिकता ही नहीं । इसका कारण यह है कि हमारी इन्द्रियाँ प्रतिपल अलग अलग विषयों के साथ जुड़ती है । मन इन्द्रियों का राजा है । यह इन्द्रियों के साथ जुड़कर विषयों का अनुभव करता है । पाँचों ज्ञानेन्द्रियों तथा पाँचों कर्मेन्द्रियों के साथ जुड़कर यह मन व्यक्ति की हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करता है । मन से ही हमारी कान्ति बनती है । मन ही हमारी भावभूमि है । पूर्ण मनोयोग के बिना हमारा कोई कार्य सफल नहीं हो सकता । मन को एक जगह टिकाना, एकाग्र करना अत्यन्त आवश्यक है, क्योंकि यह बंधन और मुक्ति का हेतु बनता है ।

OFFICE COPY

मन को वश में करने के लिए इन्द्रियों पर संयम आवश्यक है । मन इन्द्रियों के लिए ही कार्य करता है । इसकी चंचलता रोकने के लिए इन्द्रियों के विषयों की ओर आकर्षण को रोकना आवश्यक है । जिस प्रकार वायु, जल में नाव को गन्तव्य मार्ग से दूर कर देती है । उसी प्रकार विषयों में विचरण करती हुई इन्द्रियाँ मन को गन्तव्य पथ से विचलित कर देती हैं ।

व्यक्ति हर आश्रम में ही मन को वश में रखकर जी सकता है ।

इन्द्रियाँ और मन अपने प्राकृतिक स्वरूप में स्वच्छ ही होते हैं । किन्तु रोग द्वेष के कारण चंचलता का भाव मन में पैदा होता है । उसकी कारक हमारी वृत्तियाँ होती हैं । साधना का लक्ष्य है – राग – द्वेष की लहरें न उठें और मन की चंचलता का नियंत्रण हो सके । जहाँ प्रवृत्ति है वहाँ स्मृति भी है, कल्पना भी है । ये चंचलता बनाये रखती है । मन के कार्य हैं – संकलन, निकलन और कामना ।

इन्हीं से जुड़ती है प्रवृत्ति, स्मृति और कल्पना ।

OFFICE COPY

जब तक मन किसी विषय को उठाए रहता है, तब तक लिप्त हुआ सा लगता है । किन्तु जब उस विषय को छोड़ता है, तो बेलाग होकर निकल जाता है और दूसरे विषय के रूप में आ जाता है । लाल रंग का ख्याल करके लाल हो जाता है । किन्तु तत्काल सफेद का विचार होते ही श्वेत हो जाता है ।

मन न छोटा है न बड़ा है । केवल छोटी बड़ी वस्तु को ग्रहण करके छोटा बड़ा प्रतीत होता है ।

मन का स्वरूप अनन्त है । अत: मन को समझना और उसमें सकारात्मक भाव बनाए रखना ही उत्थान का मार्ग है । मन का विषय तो शान्ति हैं । बुद्धि और इन्द्रियों के साथ जुड़ा हुआ मन अशान्त रहता है । इन्द्रिय सुख व्यक्ति को बाहरी विषयों में इतना लिप्त कर देता है कि मन की आवाज सुन पाना उसके लिए लगभग असंभव होता है । इन्द्रियों के अनुभव ही मन पर अंकित रहते हैं और उन्हीं की कल्पना में मन लगा रहता है ।

2. निम्न पत्र को टंकित कीजिए :

अंक : 08
सजावट : 02
कुल : 10

270, अपर्णा अपार्टमेन्ट,
मितांशी विहार, नई दिल्ली
24 अप्रैल, 2020

सम्पादक
हिन्दुस्तान टाइम्स
नई दिल्ली

विषय : बस स्टॉप की सुविधा उपलब्ध करवाने बाबत ।

सेवा में,

आपके समाचार–पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान राज्य सरकार और जन प्रतिनिधि की ओर केन्द्रित करते हुए इस स्थान पर बस स्टॉप की समस्या का समाधान चाहने की इच्छा प्रकट करता हूँ । यह अपर्णा अपार्टमेन्ट मयूर विहार और मितांशी विहार के मेन रोड से 5 किमी की दूरी पर है । इस रोड पर सभी ओर जाने वाली बसों का आवागमन है ।

लेकिन इस ओर राज्य सरकार और जनप्रतिनिधि का ध्यान नहीं होने के कारण इस अपार्टमेन्ट और अन्य कालोनियों के वासियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । लगभग 2 किमी दूर बस सेवा की सुविधा हेतु जाना पड़ता है ।

यहाँ पर बस स्टॉप की सुविधा होने के बाद खासकर महिला यात्रियों को असुविधा नहीं रहेगी ।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सरकार द्वारा इस समस्या का समाधान शीघ्र होगा ।

भवदीय,
अबस
मितांशी विहार निवासी

OFFICE COPY

3. निम्न सारणी को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए :

अंक :	08
सजावट :	02
कुल :	**10**

सकल घरेलू उत्पादन (% में)

क्रम संख्या	आर्थिक संकेतांक	बजट अनुमान		
		2016-17	2017-18	2018-19
1	प्रत्यक्ष कर	5.6	5.8	6.0
2	अप्रत्यक्ष कर	5.6	5.7	5.8
3	सकल कर राजस्व	11.2	11.5	11.8
4	राज्यों का करों में अंश	4.0	4.0	4.2
5	केन्द्र का शुद्ध कर राजस्व	7.2	7.5	7.6
6	गैर कर राजस्व	2.2	1.7	1.7
7	गैर कर पूँजीगत प्राप्तियाँ	0.4	0.5	0.5
8	राजकोषीय घाटा	3.5	3.2	3.0

OFFICE COPY

DO NOT WRITE ANYTHING HERE